सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 284 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 24 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





बीस साल की उम्र में इंसान अपनी इच्छा से चलता है तीस में बुद्धि से और चालीस में अपने अनुमान से।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

भारत की फाइनल में पहुंचने की... 7 | ओवैसी व रावण का साथ करेगा... 3 | सपा प्रमुख अखिलेश यादव का... 2

कृषि कानूनों पर छोड़ा था हाथ, फिर चुनावी मंडप में बादल भाजपा के साथ

पहले से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी, सुखबीर होंगे सीएम फेस!

» अकाली-बीजेपी का पंजाब विधानसभा चुनाव में रिश्ता पक्का, अमित शाह, नितिन नबीन और सुखबीर बादल ने किया एलान

» गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के दिन इस राजनीतिक पुनर्मिलन का समय भी अपने आप में प्रतीकात्मक है

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के नाम पर जिस रिश्ते को तोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा तक दे दिया आज उसी रिश्ते को फिर जोड़ने के लिए हाथ बढ़ रहे हैं। छह साल पहले अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ते हुए किसानों के साथ खड़े होने का दावा किया था। तब संदेश यह था कि सत्ता से बड़ा किसान है, कुर्सी से बड़ा पंजाब है और गठबंधन से बड़ा सिद्धांत। लेकिन अब 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट ने सियासत का मौसम बदल दिया है।

जिस भाजपा के कृषि कानूनों को अकाली दल ने पंजाब के किसानों के हितों के खिलाफ बताया था उसी भाजपा के साथ सुखबीर सिंह बादल आज गठबंधन का एलान किया है। 17 सितंबर 2020 को तत्कालीन केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कृषि विधेयकों के विरोध में नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। सुखबीर सिंह बादल ने लोकसभा में इन विधेयकों का विरोध करते हुए कहा था कि वह पंजाब के कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाएंगे। इसके बाद 26 सितंबर 2020 को अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला कर लिया। यह कोई मामूली राजनीतिक नाराजगी नहीं थी। भाजपा और अकाली दल का गठबंधन करीब 24 साल पुराना था। दोनों दलों ने इसे किसान हितों और पंजाब की अस्मिता का प्रश्न बनाकर जनता के सामने रखा था।

राजनीति में स्थायी कुछ भी नहीं होता

लेकिन राजनीति में स्थायी कुछ भी नहीं होता। न दोस्ती, न दुश्मनी और न ही सिद्धांत। 2022 के विधानसभा चुनाव में दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरे। आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता पर कब्जा कर लिया। अकाली दल महज तीन सीटों पर सिमट गया और भाजपा को केवल दो सीटें मिलीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा पंजाब में खाता नहीं खोल सकी जबकि अकाली दल को 13 में से सिर्फ एक सीट मिली। यानी अलग-अलग लड़कर दोनों ने अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत का परीक्षण कर लिया। नतीजे दोनों के लिए उत्साहजनक नहीं रहे।

अमित शाह का ऐलान पंजाब में अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच गठबंधन की घोषणा का एलान किया। उन्होंने शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पंजाब और पूरे देश में यह गठबंधन हिंदू-सिख भाईचारे का प्रतीक बनेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भाजपा और अकाली दल पंजाब में कई प्रमुख विषयों को लेकर घोषणा पत्र जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब से नशे का उन्मूलन हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। पंजाब से भ्रष्टाचार का उन्मूलन और राष्ट्रवादी शक्तियों को सशक्त करना भी हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। अमित शाह ने घोषणा की कि पंजाब में अकाली दल बड़ा भाई रहेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे लेकिन बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल रहेगा और अकाली दल से ही मुख्यमंत्री होगा। गृहमंत्री ने वादा किया कि 31 दिसंबर, 2029 तक एनडीए पंजाब को पूर्णतया नशे से मुक्त कर देगा। उन्होंने कहा कि आगामी तीन महीने में पंजाब के किसानों की समस्या पंजाब के आर्थिक विकास की चिंता और पंजाब के युवाओं के रोजगार की चिंता इसके बारे में सुखबीर सिंह बादल और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच तीन महीने की लंबी चर्चा के बाद एक रोडमैप बना है। उस रोडमैप पर हमारे एनडीए की बनने वाली सरकार आगे बढ़ेगी।

> “ चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे लेकिन बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल रहेगा और अकाली दल से ही मुख्यमंत्री होगा।
> अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

> “ छह साल पहले अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ते हुए किसानों के साथ खड़े होने का दावा किया था। ”



पुराने गठबंधन ने फिर एक बार आकार लिया

अब छह साल बाद उसी पुराने गठबंधन फिर एक बार आकार लिया है। लेकिन इस बार हालात बदले हैं और शर्तें नयी है। बिहार की तरह पंजाब में भी बीजेपी चाहती है कि उसका अपरहैंड रहे। और इसीलिए वह पहले से दोगुनी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। ले रहा है। गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के दिन इस राजनीतिक पुनर्मिलन का समय भी अपने आप में प्रतीकात्मक है। आज दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए 2027 के चुनाव के लिए गठबंधन की औपचारिक घोषणा कर दी है।

2027
के विधानसभा चुनाव की आहट ने सियासत का मौसम बदल दिया है।

गठबंधन को केवल पुरानी दोस्ती की वापसी मानना भूल

लेकिन इस गठबंधन को केवल पुरानी दोस्ती की वापसी मानना भूल होगी। अकाली दल को अपना बिखरता जनाधार और राजनीतिक प्रासंगिकता बचानी है। भाजपा को पंजाब के ग्रामीण और सिख बहुल इलाकों में अपनी पहुंच बढ़ानी है। दोनों को लगता है कि एक दूसरे के वोट और प्रभाव का सहारा लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को चुनौती दी जा सकती है। मगर क्या वोट बैंक भी उसी आसानी से एक दूसरे के खाते में चला जाएगा जिस आसानी से नेता मंच साझा कर लेते हैं? यही इस गठबंधन का सबसे बड़ा विरोधाभास है। कल तक किसान के नाम पर अलग हुए थे आज चुनाव के नाम पर साथ आ रहे हैं। कल तक एक दूसरे की नीतियों पर सवाल थे आज साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस है। राजनीति इसे रणनीति कहेगी लेकिन जनता इसे अवसरवाद के तराजू पर तौलेगी। सवाल यह नहीं कि भाजपा और अकाली दल साथ आ रहे हैं सवाल यह है कि क्या पंजाब का मतदाता भी गठबंधन के साथ आने को तैयार है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का फेसबुक पेज बहाल

» यूपी के पूर्व सीएम ने मेटा को दिया धन्यवाद

» पार्टी मुखिया के हैं 90 लाख फॉलोअर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का आधिकारिक फेसबुक पेज बहाल हो गया है। समाजवादी पार्टी ने इसके लिए मेटा को धन्यवाद दिया है। जानकारी के अनुसार देर रात अखिलेश यादव का फेसबुक पेज बहाल कर दिया गया। इसकी जानकारी सपा के आधिकारिक एक्स एकाउंट के माध्यम से दी गई। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आधिकारिक फेसबुक पेज बहाल हो गया है।

धन्यवाद, मेटा अखिलेश यादव ने 20 नवंबर को एक्स के माध्यम से मेटा को संदेश दिया था कि सबको बराबर मानकर चलना ही एक अच्छी समावेशी कंपनी की पहचान होती है। सरकार भी विदेशी कंपनियों पर अवांछित दबाव डालकर उनके व्यवसाय का राजनीतिकरण न करे। अखिलेश के फेसबुक पेज पर 90 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। एकाउंट सस्पेंड होने पर हलचल मच गई थी।

शाम को हुआ था बंद, देर रात चालू : इससे पहले सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव का फेसबुक पेज सोमवार शाम बंद हो गया था। उन्होंने 20 नवंबर को ही मेटा को चेतावनी दी थी कि हमारे देश में दूसरे देश की कंपनियां अपना व्यवसाय करें, राजनीति नहीं। हालांकि, समाजवादी पार्टी ने आधिकारिक रूप से कहा था कि तकनीकी समस्या के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का आधिकारिक फेसबुक पेज अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं है।

भाजपा सरकार विदेशी कंपनियों पर दबाव बनाकर विपक्ष के बड़े नेताओं के साथ पक्षपात करवा रही है : उदयवीर सिंह



इस बारे में सपा प्रवक्ता और पूर्व एमएलसी उदयवीर ने कहा था कि भाजपा सरकार विदेशी कंपनियों पर दबाव बनाकर विपक्ष के बड़े नेताओं के साथ पक्षपात करवाती है। सपा अध्यक्ष का एकाउंट सस्पेंड किए जाने से यह बात साबित होती है। अखिलेश यादव का फेसबुक अकाउंट इससे पहले 10 अक्टूबर 2025 को भी निलंबित किया गया था। हालांकि, अगले दिन सुबह ही मेटा ने इसे बहाल कर दिया था। अब एक बार फिर पेज के निलंबित होने से पार्टी के सामने इस बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी पहुंच बनाए रखने की चुनौती उत्पन्न हो गई थी, लेकिन देर रात पेज बहाल हो गया। सपा ने इसके लिए मेटा को अपने आधिकारिक हैंडल से धन्यवाद भी दिया।

यूपी में अब एकनाथ शिंदे की पार्टी भी लड़ेगी चुनाव

» शिवसेना की घोषणा से बढ़ेगी भाजपा की टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



मुंबई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने दिलचस्पी दिखाई है। पार्टी यूपी की करीब 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव अभिजीत अडसूल ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, पार्टी प्रवक्ता आनंद दुबे ने भी उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि शिवसेना चाहती है कि उसके विधायक चुनकर आएं और प्रदेश के विकास में योगदान दें।

उन्होंने एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की भी इच्छा जताई। आनंद दुबे ने कहा, हर पार्टी चाहती है कि उसका विस्तार हो और वह ज्यादा से ज्यादा राज्यों में चुनाव लड़े। राष्ट्रीय पार्टी बनने का सपना किसे नहीं होता उन्होंने कहा किहमारी पार्टी शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी की मित्र है. हम वर्षों से मित्र हैं और एनडीए परिवार का हिस्सा हैं. महाराष्ट्र में हम लोकसभा से लेकर हर स्तर पर साथ हैं. लेकिन चूंकि उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए हमारी भी इच्छा है कि हम वहां चुनाव लड़ें।

हमारे विधायक चुनकर आएं और हम भी उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने में अपना योगदान देने का प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव नजदीक आने के साथ पार्टी अपनी रणनीति को लेकर जानकारी देगी. आनंद दुबे ने कहा, जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आएगा और चीजें स्पष्ट होंगी, हम आपको विस्तार से जानकारी देंगे. हमारे नेता नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत और योगी आदित्यनाथ के सपनों का उत्तर प्रदेश, जो पूरे विश्व को दिशा देने की क्षमता रखता है, उसके विकास में हम भी अपनी छोटी-सी भूमिका निभाना चाहेंगे।

90 के दशक में भी यूपी में दर्ज करा चुकी है मौजूदगी : दुबे

शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे ने पार्टी के पुराने चुनावी इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, हमें लगता है कि 90 के दशक में हमारे पवन पांडेय वहां से विधायक चुने गए थे। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से उस समय पार्टी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। आज वर्तमान में हमारे नेता उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। आनंद दुबे ने सीटों की संख्या को लेकर कहा, कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, कहां-कहां लड़ेंगे और किस तरह चुनाव लड़ेंगे, यह बताने का अधिकार हमारे नेता जी और डॉ. श्रीकांत शिंदे के पास है. लेकिन एक कार्यकर्ता, पार्टी प्रवक्ता और नेता होने के नाते मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि हमें उम्मीद है कि हम अच्छी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। हमारी इच्छा है कि एनडीए परिवार के साथ मिलकर चुनाव लड़ें और एनडीए के कुनबे को और मजबूत बनाएं।

असुरों की बात नहीं करनी चाहिए : अपर्णा यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आजम खां की रिहाई पर भाजपा नेता बिफरीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान की जेल से रिहाई से जुड़े सवाल पर उनका नाम लिए बिना उन्हें 'असुर' करार दिया। कानपुर देहात में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा आयोजित कथा में शामिल होने पहुंचीं अपर्णा यादव ने पत्रकारों से बातचीत में आजम खान का जिक्र होने पर कहा, ''हमें लगता है कि कथा सुननी चाहिए। ऐसे असुरों-भयंकरों की बात नहीं करनी चाहिये।

उन्होंने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि प्रदेश में कमल खिलेगा और भाजपा फिर सरकार बनाएगी। सपा पर निशाना साधते हुए अपर्णा ने कहा कि पार्टी हमेशा महिला विरोधी रही है और उसने केवल अपने परिवार की महिलाओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के समय सबसे पहले नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कराने की पहल की। अपर्णा यादव सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की बहू हैं और उनकी शादी प्रतीक यादव से हुई थी।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के बयान पर घमासान

» कांग्रेस बोली ध्रुवीकरण करने का प्रयास करती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के एक पार्क में एक युवा जोड़े पर हुए हमले को लेकर उपजे आक्रोश के बीच, महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मदरसे केवल हिंदुओं से नफरत करना सिखाते हैं और चेतावनी दी कि यदि कोई भी इस समुदाय के प्रति बुरी नजर रखेगा, तो पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि उसके पैर कांप जाएं। मंत्री की यह टिप्पणी कुर्ला इलाके के एक सार्वजनिक पार्क में आठ लड़कों द्वारा एक युवक और उसकी महिला मित्र पर कथित हमले के कुछ दिनों बाद आई है। किशोर न्याय बोर्ड ने उन्हें चार दिसंबर तक सुधारगृह भेज दिया है। वहीं इस बयान के बाद बवाल मच गया है।



कांगेस ने भाजपा पर हमला बोलते हुए इससे समाज मे ध्रुवीकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस घटना के वीडियो वायरल होने पर सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। राणे ने आरोप लगाया कि मदरसे छात्रों को केवल हिंदुओं से नफरत करना, उन्हें धर्म परिवर्तन कराना और उनकी हत्या करना सिखाते हैं।

भाजपा नेता ने संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया, यह कुरान में लिखा है, और यही मदरसों में पढ़ाया जाता है। वहां डॉक्टर और इंजीनियर नहीं बनते। वहां सिर्फ हिंदुओं को मारना और धर्म परिवर्तन कराना सिखाया जाता है। मदरसों में अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती। राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदुत्ववादी सरकार है, अगर कोई हिंदुओं को बुरी नजर से देखेगा, तो शुक्रवार को उन्हें उठने-बैठने तक में दिक्कत होगी और उनके पैर कांपेंगे। महाराष्ट्र पुलिस ऐसा करके दिखएगी।

मंत्री ने कहा कि हिंदुओं को सतर्क रहना चाहिए, केवल हिंदुओं के साथ ही व्यापार करना चाहिए और अपना घर केवल अपने समुदाय के सदस्यों को ही बेचना चाहिए। उन्होंने कहा, सांपों को दूध पिलाने के बजाय, हमें अपने हिंदू राष्ट्र और भगवान महादेव की भूमि को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए। एक बार जब हम उन्हें दूध पिलाना बंद कर देंगे, तो वे भूख से मर जाएंगे।

आपराधिक प्रवृत्ति का कोई धर्म नहीं होता और यह एक मानवीय गुण है : सचिन

कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि अपराधियों को धार्मिक आधार पर बांटना या किसी समुदाय के किसी व्यक्ति द्वारा अपराध करने के कारण पूरे समुदाय को निशाना बनाना समानता, धर्मनिरपेक्षता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। सावंत ने कहा, अगर मुस्लिम समुदाय का कोई व्यक्ति अपराध करता है, तो उसे टाइम बम कहा जाता है, जबकि अगर किसी दूसरे समुदाय का कोई व्यक्ति अपराध करता है, तो उसे फुलझड़ी कहा जाता है। ये दोहरा मापदंड क्यों? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपराधिक प्रवृत्ति का कोई धर्म नहीं होता और यह एक मानवीय गुण है। कुर्ला में हुई घटना की निंदा करते हुए सावंत ने कहा कि दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि, राज्य के विभिन्न हिस्सों में इसी तरह के अपराध हो रहे हैं, ऐसे में घृणित घटनाओं को धार्मिक रंग देना भी उतना ही गलत है और यह राजनीतिक ध्रुवीकरण के समान है।" भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति इस हद तक पहुंच गई है कि लोग यह कहने को मजबूर हैं कि "भाजपा शासन में बिहार, महाराष्ट्र से बेहतर है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



चंद्रशेखर-ओवैसी के गठबंधन पर भड़के आजम खां

» सपा नेता ने कहा कि नगीना जाकर लोगों से कहेंगे आपने हमारे सीने में खंजर उतार दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान जेल से रिहाई के बाद लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। उनके बाहर आने के बाद यूपी में मुस्लिम वोटों को लेकर लड़ाई तेज हो गई है। इस बीच सपा नेता ने आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के गठबंधन पर भी तीखा हमला किया है।



उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वो नगीना जाकर कहेंगे कि आपने हमारे सीने में खंजर उतार दिया। सपा नेता आजम खान ने असदुद्दीन ओवैसी से लेकर चंद्रशेखर आजाद और उनके गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। अपने अलग अंदाज के लिए मशहूर आजम ने चंद्रशेखर का नाम लिए बिना कहा कि वो मुस्लिम वोटों के सहारे सांसद बने हैं। वो नगीना जाएंगे और वहां के वोटरों को शुक्रिया अदा करेंगे।

आजम खान ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आज़ाद को अक्ल से काम करना चाहिए, इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को हद में रहने की नसीहत भी दे दी, सपा नेता कहा- वो (चंद्रशेखर आजाद) मुसलमान वोटों से सांसद बने हैं हक अदा कर दिया उन्होंने..मैं वहां (नगीना) के मुसलमानों से भी मिलने जाऊंगा कि भाई तुमने खंजर दे दिया हमारे दिल में खंजर उतारने के लिए। आजम खान ने आगे कहा कि मेरी दरख्वास्त है दोनों साहिबान से कि दो चार दिन गुजरने दें, दोनों अक्ल से काम लें, कि वो हम पर तरस खाएं और खुद पर भी रहम करें, बात निकलेगी तो बहुत दूर तलक जाएगी, बेहतर है लोग अपनी हदों में रहे और हमारी तकदीरों से ना खेल, वहां तो काट डालेंगे कहने वाले भी बरी हो गए और हमें जेल हो गई। आख़िर ये किसकी इनायतें हैं। असदुद्दीन ओवैसी पर तंज कसते हुए आजम खान ने कहा कि जिसके चार विधायक हों अपने राज्य में.. वो 400 का दावेदार हो ये मामूली बात है? अब्दुल दरी नहीं उठाएगा।

ओवैसी व रावण का साथ करेगा सियासी आघात

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-27 में किसकी बनेगी बात

हाथी बैठा नहीं है, धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है

» भाजपा ओर सपा की बढ़ेगी टेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव-27 की तैयारी में सभी दल जुटने लगे हैं। बसपा अके ले वही भाजपा अपने सहयोगियों व सपा व कांग्रेस एक साथ होकर चुनावर वैतरणी पार करने की जुगत में लगे हैं। बसपा ने आकाश आनंद की जोश के साथ ताल ठोंकना शुरू दिया। आकाश ने रली में सपा, भाजपा व कांग्रेस को घेरना भी प्रारंभ कर दिया। उनकी इस आक्रामकता के चलते सपा व भाजपा की नींद उड़ी हुई है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हेतु सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाया है। इस गठबंधन में आजाद को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया गया है। ओवैसी का सहारनपुर दौरा दलित-मुस्लिम गठजोड़ को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और अन्य राजनीतिक दलों को चुनौती देने का प्रयास है। असदुद्दीन ओवैसी और आज़ाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के बीच राजनीतिक साझेदारी अब और अधिक स्पष्ट चुनावी रूप लेती जा रही है। शनिवार को ओवैसी का सहारनपुर दौरा, 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर अपनी पैठ बनाने के इस गठबंधन के प्रयासों में एक अहम कदम है। वहीं आकाश आनंद इन दिनों अपने बयानों के जरिए सीधे भाजपा और समाजवादी पार्टी को निशाने पर ले रहे हैं। बीकापुर की सभा में उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि सत्ता किसी के भी हाथ में हो, नुकसान हमेशा शोषित और वंचित समाज को उठाना पड़ता है।



आकाश आनंद के बयानों में भाजपा और सपा निशाने पर

उत्तर प्रदेश की सियासत में भले ही इन दिनों भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक मुकाबला सबसे ज्यादा दिखाई दे रहा हो, लेकिन इस शोर के बीच बहुजन समाज पार्टी का हाथी भी अपनी चाल चल रहा है। रफ्तार भले ही धीमी हो, लेकिन बसपा की सक्रियता को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। अयोध्या के बीकापुर से लेकर आगरा तक आकाश आनंद की सभाओं में उमड़ती भीड़ इस बात का संकेत दे रही है कि मायावती की पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत झोंक रही है। बसपा सिर्फ मैदान में अपनी मौजूदगी दर्ज नहीं करा रही, बल्कि अपने पुराने सामाजिक और राजनीतिक आधार को फिर से एकजुट करने की कोशिश में जुटी है। हम आपको बता दें कि बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद इन दिनों अपने बयानों के जरिए सीधे भाजपा और समाजवादी पार्टी को निशाने पर ले रहे हैं। बीकापुर की सभा में उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि सत्ता किसी के भी हाथ में हो, नुकसान हमेशा शोषित और वंचित समाज को उठाना पड़ता है। वहीं समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने अखिलेश यादव की राजनीति और उनकी प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि सपा की राजनीति में स्थिरता और स्पष्टता का अभाव है और चुनाव आते-आते उसकी असलियत सामने आ जाएगी।

आकाश आनंद का सबसे तीखा हमला समाजवादी पार्टी के पीडीए समीकरण पर रहा। उन्होंने आगरा में हुए सपा के दलित महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि एक दिन के आयोजन में पूरी पार्टी अंबेडकरवादी बन गई, लेकिन इससे उसकी राजनीतिक सोच नहीं बदल जाती। उन्होंने राम गोपाल यादव की ओर से सभा में मौजूद लोगों के लिए कथित तौर पर मूर्ख शब्द इस्तेमाल किए जाने का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव और राम गोपाल यादव से दलित समाज से माफी मांगने की मांग की। आकाश ने साफ चेतावनी दी कि अगर माफी नहीं मांगी गई तो आगामी विधानसभा चुनाव में इसका जवाब वोट की चोट से दिया जाएगा।

सपा के पीडीए और भाजपा के सामाजिक समीकरणों के बीच बसपा का दांव

देखा जाये तो, आकाश आनंद की इस आक्रामक राजनीति के पीछे बसपा की बड़ी रणनीति दिखाई देती है। पार्टी दलित वोटों पर अपनी पारंपरिक पकड़ मजबूत करने के साथ ही उन वर्गों को भी संदेश देना चाहती है, जो सपा के पीडीए और भाजपा के सामाजिक समीकरणों के बीच अपनी राजनीतिक जगह तलाश रहे हैं। बसपा यह बताने की कोशिश कर रही है कि दलित राजनीति की असली आवाज वही है और दूसरे दल चुनावी जरूरत के हिसाब से उसके मुद्दों को अपनाते हैं। बहरहाल, यूपी की राजनीति में अभी भाजपा और सपा की गतिविधियां ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि बसपा मैदान से बाहर है। आकाश आनंद की सभाओं में जुट रही भीड़ और उनके तीखे भाषण बताते हैं कि हाथी की चाल भले ही धीमी हो, लेकिन वह रुका नहीं है। अब सवाल यह है कि क्या यह भीड़ चुनावी वोटों में तब्दील होगी और क्या मायावती की बसपा एक बार फिर यूपी की सियासत में निर्णायक ताकत बनकर उभरेगी? फिलहाल इतना तय है कि मुकाबले की बिसात पर हाथी को नजरअंदाज करना दूसरी पार्टियों के लिए आसान नहीं रहने वाला।

ओवैसी,आजाद के आवास पर बनाया रणनीति

ओवैसी, खुटमलपुर में आजाद के आवास पर मुलाकात किया जहाँ दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक चर्चा होने की उम्मीद है। इस दौरे में एक मस्जिद से जुड़े मुद्दे पर जिला प्रशासन के साथ बातचीत और एक मदरसे का दौरा भी शामिल है। खुटमलपुर में आज़ाद समाज पार्टी के नेता और समर्थक ओवैसी का स्वागत करेंगे। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद हो रहा यह दौरा, केवल दो राजनीतिक नेताओं की मुलाक़ात के तौर पर ही नहीं, बल्कि इस बात को दर्शाने के प्रयास के रूप में भी महत्वपूर्ण है कि उनका गठबंधन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक साझा राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है। चुनावी लिहाज से यह क्षेत्र काफी अहम है, खासकर यहाँ की दलित और मुस्लिम आबादी और बहुजन आंदोलन के साथ इसके ऐतिहासिक जुड़ाव की वजह से। सहारनपुर का यह कार्यक्रम 14 नवंबर को मेरठ में हुए गठबंधन के पहले बड़े सार्वजनिक प्रदर्शन के बाद हुआ है। वहां ओवैसी ने एक आक्रामक राजनीतिक संदेश देते हुए कहा कि मोर्चा का तत्काल लक्ष्य 2027 में उत्तर प्रदेश में बीजेपी को सत्ता में वापस आने से रोकना है। उन्होंने इस चुनौती को राज्य से आगे बढ़ाते हुए 2029 के आम चुनावों में राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी का मुकाबला करने की बात कही।

एआईएमआईएम की राजनीतिक पहुंच बढ़ाने का एक मौका

ओवैसी के लिए, यह साझेदारी उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम की राजनीतिक पहुंच बढ़ाने का एक मौका है, जहां पार्टी अभी तक एक बड़ी चुनावी ताकत के रूप में नहीं उभर पाई है। वहीं, आजाद के लिए यह अपने मौजूदा प्रभाव क्षेत्रों से बाहर निकलकर, खुद को पूरे राज्य के एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करने का मंच है, जो राज्य के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक पहुंचने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। हालांकि, इस साझेदारी की असली परीक्षा यह होगी कि क्या वे दलित-मुस्लिम गठजोड़ को एक प्रभावी चुनावी गठबंधन में बदल पाते हैं या नहीं। उत्तर प्रदेश में इन दोनों समुदायों की आबादी काफी अहम है, लेकिन उनके वोट देने के फैसले अलग-अलग क्षेत्रीय, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से तय होते हैं। केवल संख्या बल के दम पर चुनावी सफलता की गारंटी नहीं दी जा सकती। इस गठबंधन के सामने आने से समाजवादी पार्टी की पीडीएम रणनीति पर भी एक नया राजनीतिक दबाव बन गया है। अखिलेश यादव ने पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक साझा राजनीतिक मंच पर एकजुट करने की कोशिश की है। अब ओवैसी-आजाद की साझेदारी एक ऐसा वैकल्पिक मंच बनाने की कोशिश कर रही है, जो हाशिए पर मौजूद समुदायों के स्वतंत्र राजनीतिक प्रतिनिधित्व और उनके अपने नेतृत्व पर ज्यादा जोर देता है।

नए बने गठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करे जनता : ओवैसी

नौचंदी मैदान में समर्थकों को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने मतदाताओं से नए बने गठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की और समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस को भी इस राजनीतिक मंच से जुड़ने का न्योता दिया। अपने भाषण में उन्होंने स्थापित विपक्षी दलों की आलोचना की, खासकर उनके इस दावे पर कि वे मुसलमानों और अन्य वंचित समुदायों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। राजनीतिक संदेश साफ था यह नया गठबंधन अपनी चुनौती को केवल बीजेपी तक सीमित नहीं रखना चाहता। यह उन स्थापित विपक्षी दलों के दावों पर भी सवाल उठाना चाहता है जो उन सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने की बात करते हैं, जिनका समर्थन उत्तर प्रदेश में चुनावी नतीजों को तय करने में हमेशा से अहम रहा है। 12 नवंबर को लखनऊ में ओवैसी और आज़ाद ने औपचारिक रूप से सामाजिक परिवर्तन मोर्चा की घोषणा की। दोनों दलों ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, जिसमें आजाद को गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि जो अन्य राजनीतिक दल उनके साथ जुड़ना चाहें, उनके लिए यह मंच खुला है। मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में आजाद को पेश करने का फैसला इस गठबंधन की राजनीतिक रणनीति का मुख्य हिस्सा है। इससे एक प्रमुख दलित नेता, एक बड़े मुस्लिम राजनीतिक चेहरे के साथ मिलकर सबसे आगे आ गए हैं। इससे मोर्चे को खुद को एक ऐसे व्यापक गठबंधन के रूप में पेश करने का मौका मिला है, जो सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर केंद्रित है।

आरक्षण के मुद्दे पर भी सपा को घेरा

आरक्षण के मुद्दे पर भी आकाश आनंद ने समाजवादी पार्टी को घेरा। उन्होंने 2012 में संसद में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े विधेयक का विरोध करने और लोकसभा में उसकी प्रति फाड़े जाने का आरोप लगाते हुए सपा के मौजूदा पीडीए अभियान पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जो पार्टी कभी संविधान और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर विरोध की राजनीति करती रही, वही आज संविधान की प्रति लेकर दलितों और पिछड़ों की हितैषी बनने का दावा कर रही है। बसपा नेता ने कानून-व्यवस्था और मायावती सरकार के कार्यकाल का हवाला देते हुए भी सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मायावती सरकार में बहुजन



महापुरुषों के नाम पर जिलों की पहचान स्थापित की गई थी, लेकिन 2012 में सत्ता परिवर्तन के बाद उन नामों को बदल दिया गया। उनके मुताबिक, ये महज नाम नहीं थे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपने सामाजिक इतिहास और महापुरुषों से जोड़ने का माध्यम थे।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

अब एचआई को होना होगा अपडेट

आज के समय में एआई हर जगह अपनी जगह पक्की करता जा रहा है। पर इन सबके बावजूद वह एचआई अर्थात ह्यूमैन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा ये कहना जल्दबाजी होगा। पर इतना जरूर है मानवीय हुनर पर इस तकनीक का असर तो पड़ेगा इसलिए लोगों को हर हाल में सतर्क रहना होगा अपने को अपडेट रखना होगा। एआइ एक नुकसान भी है और नफा भी। लेकिन आज लोग अपने आराम व सुविधा के लिए प्रयोगवादी हो गए हैं। उन्हें बस अपने जटिल काम का झटपट समाधान चाहिए। दिलचस्प बात है कि इसलिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद से लेकर दैनिक कामकाज के औजार अब नए समाधानों के नाम पर एआइ से लैस किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि मोबाइल और टीवी के बाद अब सैमसंग कंपनी %बिक्सबी और क्नॉक्स जैसी तकनीक का जेमिनी से एकीकरण कर रही है। जिससे फ्रिज, एसी और लॉन्ड्री उपकरणों में एआइ और एल्गोरिदम की जुगलबंदी से खाना बनाने में सहायता, घरेलू नोट्स लेने में मदद और विविध अलर्ट देने के विकल्प ईजाद किए गए हैं।

इसी प्रकार एलजी कंपनी अपनी एआइ होम की रणनीति के तहत थिंक क्यू ईकोसिस्टम के माध्यम से घरेलू उपकरणों को रोबोट से जोड़ने पर गहन शोध कर रही है। मतलब घरेलू उपकरण स्वचलित और मनमुताबिक कार्य करने में दक्ष होने जा रहे हैं। अमरीका की बात की जाए तो वहां अमेजन एस्ट्रो घर के कैमरे से निगरानी वाला रोबोट, आपके परिवार के साथ संवाद करता है, आशंका होने पर मौके पर जांच करता है और मालिक को रिपोर्ट देता है। वहीं आइ रूमबा कंपनी के मॉडल गंदगी की पहचान कर बेहतरीन सफाई करने सहित पिछली साफ सफाई का डाटा भी रखते हैं। इसी प्रकार रे-बैन का चश्मा तो आपसे कई भाषाओं में बात करते हुए सलाह देता है, वीडियो भी बना देता है और अनुवाद से लेकर गूगल मैप की तरह रास्ता दिखाने में भी सक्षम है। मजेदार बात तो यह भी है कि एलजी का क्लॉइड ह्यूमनॉइड तो घर के कपड़े और सामान सहेजने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। दूसरी ओर चीन में तो यूनिट्री रोबोटिक्स ने एक ऐसा डॉग यानी मशीनी श्वान विकसित किया है जो निरीक्षण, निगरानी और सेंसर शक्ति से संचालित होकर आपके घर के कई काम करने में दक्ष है। दिलचस्प बात यह भी है कि ब्रिटेन और यूरोप के फैशन बाजारों में अब निजता सुरक्षित रखने के लिए एडवर्सरियल क्लोदिंग यानी पहचान सुरक्षा परिधान लोकप्रिय हो रहे हैं। अर्बन प्राइवेसी कंपनी की मानें तो यह कपड़े सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा पहचानने वाले सीसीटीवी कैमरों को चकमा देने में सक्षम हैं। वहीं दूसरी कंपनी कैपेबल के कपड़े एआइ कैमरों को गुमराह कर देते हैं।

“ एआइ एक नुकसान भी है और नफा भी। लेकिन आज लोग अपने आराम व सुविधा के लिए प्रयोगवादी हो गए हैं। उन्हें बस अपने जटिल काम का झटपट समाधान चाहिए। दिलचस्प बात है कि इसलिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद से लेकर दैनिक कामकाज के औजार अब नए समाधानों के नाम पर एआइ से लैस किए जा रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मक्का पैक्ट से भारत की घेराबंदी की कोशिश

पुष्परंजन

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान तुर्किये के अंताल्या में हैं। कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी31) के शिखर सम्मेलन में उनका आना एक औपचारिकता और रस्मों-उल्फत निभाने जैसा नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) का 31वां वार्षिक सत्र है। इस सम्मेलन की मेजबानी तुर्किये कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य मकसद वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयासों की समीक्षा करना है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जलवायु वार्ता में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। एर्दोआन से रिश्ते बेहतर होते, तो संभवत: प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने मंगलवार को तुर्किये के अंताल्या में बांग्लादेश से संबंधों को मजबूत करने के लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। लगभग 30 मिनट की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कोबीर भी मौजूद थे।

विदेश सचिव सलाहुद्दीन नोमान चौधरी ने बताया कि बांग्लादेश की मुख्य प्राथमिकताओं में अनुकूलन के लिए वित्त जुटाना, नुकसान और क्षति के मुद्दों को संबोधित करना और विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त के लिए किए गए वादों को प्रभावी ढंग से लागू कराना शामिल है। विदेश सचिव ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जूट उत्पादों के उपयोग और प्रचार-प्रसार को लेकर बांग्लादेश और तुर्किये के बीच एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है। लेकिन, असली कार्ड अभी खोला नहीं गया है। क्या बांग्लादेश, 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' का हिस्सा बनना चाहता है? मक्का संयुक्त रक्षा समझौता सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच 7 अगस्त, 2026 को मक्का में हुआ एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता है। नाटो के अनुच्छेद 5 की तर्ज पर किए गए समझौते पर गौर कीजिए, जिसके अनुसार—'तीनों देशों (सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये) में से किसी एक पर भी किया गया सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा।'

मक्का समझौते के तहत तीनों देश आपस में खुफिया जानकारी साझा करेंगे, रक्षा उत्पादन और हथियारों के निर्माण में एक-दूसरे की मदद करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त रूप से काम करेंगे। मक्का पैक्ट में यदि बांग्लादेश शामिल होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति में ढाका को इस्लामाबाद का पक्ष लेना होगा। यह भारत के लिए खतरे की घंटी



है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने पिछले दिनों संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था, 'हम इस पैक्ट को पॉजिटिव नजरिए से देखते हैं।' जब बांग्लादेशी नेताओं और राजनयिकों के कमेंट्स के हवाले से पूछा गया, तो भारत ने कहा कि इस पैक्ट का उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा और वह हालात पर करीब से नजर रख रहा है। हालांकि, बांग्लादेश का इसमें शामिल होने का कोई भी कदम भारतीय सहयोग को मुश्किल बना सकता है। दोनों देशों के बीच 4,096 किलोमीटर की जमीनी सीमा है और उनके बीच मजबूत सांस्कृतिक-आर्थिक रिश्ते हैं। इन रिश्तों में कैसे दरार आए, इसका प्रयास एर्दोआन पाकिस्तान के सहयोग से करने लगे हैं। ढाका में नॉर्थ साउथ यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर नवीन मुर्शिद की धारणा है कि मक्का एग्रीमेंट के जरिए बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ने में पाकिस्तान की दिलचस्पी भौगोलिक और राजनीतिक वजहों से है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर और उसकी पूर्वी सीमा की सुरक्षा जरूरी बातें हैं।' उन्होंने भारत के अपने उत्तर-पूर्वी राज्यों से पतले जमीनी संपर्क का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर में बांग्लादेश उसे घेरे हुए है। उन्होंने समझाया कि ऐसे हालात में बांग्लादेश को साफ तौर पर यह तय करना होगा कि वह इस अलायंस में शामिल होकर क्या करेगा और क्या नहीं करेगा। लेकिन, ढाका में रहने वाले पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर को बांग्लादेश के इस समझौते में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। उनकी टिप्पणी थी, 'बांग्लादेश पिछले 50 से 55 वर्षों में किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ है। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा मानना है कि आज भी यह रुख बदला नहीं है।' क्या वास्तव में पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर जो सोच रहे हैं, वह सही है? ऐसा लगता नहीं।

बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे हैं, जिनमें बायराक्तार टीबी-2 ड्रोन, टीआरजी-300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल हैं। इसके साथ ही, दोनों देश रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और औद्योगिक सहयोग पर भी काम कर रहे हैं।

एआई के सवाल और बापू के जवाब

डॉ. संजय वर्मा



गांधीजी ने चरखे को केवल सूत कातने का यंत्र नहीं, आत्मनिर्भरता और गरिमा का प्रतीक बनाया था। एआई भी केवल एक यंत्र या तकनीक है। वह हमें निर्भर, विभाजित और प्रकृति-विरोधी बनाएगी या आत्मनिर्भर, समावेशी और संयमी—यह मशीन नहीं, हमारा विवेक तय करेगा। एआई पर दुनिया हरकत में है। एक तरफ अवसर हैं, दूसरी तरफ संकट। अवसर तकनीक से पैदा हुई तेजी का है, समस्या उसी तकनीक से सत्य, पहचान, नकल और रोजी-रोजगार को लेकर पैदा होते संकट की है। डीपफेक से लेकर छिनती नौकरियों और प्यासे डेटा सेंटरों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जो दिक्कतें खड़ी की हैं, उनका इलाज केवल कानूनों में नहीं, उन मूल्यों में भी है, जिन्हें समाज ने, दूरदर्शी मार्गदर्शकों ने और सुधारकों ने दशकों या शायद सदियों पहले गढ़ा था। जैसे गांधीजी ने मशीनी सभ्यता को लेकर जो कुछ कहा था, ऐसा लगता है कि एआई के इस दौर में वैसे ही सवाल हमारे सामने हैं।

तो क्या गांधी-दर्शन एआई की समस्याओं का हल भी है? आम धारणा है कि महात्मा गांधी मशीनों के धुर विरोधी थे। 1909 में 'हिंद स्वराज' में उन्होंने मशीनी सभ्यता की तीखी आलोचना की थी और चरखा उनकी पहचान बन गया था। पर यह आधा सच है। 1925 में उन्होंने 'यंग इंडिया' में साफ लिखा कि उनका ऐतराज मशीन से नहीं, मशीन के प्रति उन्माद से है। उसी लेख में उन्होंने सिलाई-मशीन को उन उपयोगी चीजों में गिना था, जिनका आविष्कार काम को सरल और बेहतर करने के क्रम में हुआ था। गांधी की चिंता यह थी कि मशीन किसके हित में चलती है। क्या वह मनुष्य का हित करती है या उसे बेकार, आश्रित और शोषित बनाती है? आज, जब एआई निबंध और शोध-पत्र लिख रही है, रोगों की पहचान कर रही है, फसल चक्र का सटीक अनुमान लगा रही है और चेहरे, आवाजें, वीडियो तक गढ़ रही है, गांधी का यही दर्शन पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। एआई कोई साधारण मशीन या तकनीक नहीं है। वह ऐसा पहला औजार है, जो हाथ के साथ-साथ दिमाग के काम में दखल दे रहा है। इसलिए उसके प्रति न तो अंधी आस्था ठीक है, न ही अंधा भय। जरूरत एक कसौटी बनाने की है, जिसमें गांधी के विचार काम आ सकते हैं। गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में ऐसे ही प्रश्नों पर विचार करते हुए सात पापों की सूची दी थी।

उनमें से तीन आज के एआई-दौर में एकदम सटीक प्रतीत होते हैं- मानवता के बिना विज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार और चरित्र के बिना ज्ञान। मानवता के बिना विज्ञान वह है, जब तकनीक की होड़ इस सवाल को पीछे छोड़ दे कि उसका असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या होगा। नैतिकता के बिना व्यापार वह है, जब लोगों का डेटा, ध्यान (अटेंशन) और निजता (प्राइवेसी) मुनाफे का कच्चा माल बन जाएं। और चरित्र के बिना ज्ञान वह है, जब हर प्रश्न का उत्तर एक क्लिक पर मिले, लेकिन उसे परखने का विवेक न बचे। गांधीजी के लिए सत्य ही ईश्वर था।

एआई-युग में सत्य पर दोहरा संकट है। एक ओर डीपफेक हैं, जिनमें किसी का भी चेहरा और आवाज बनाकर सच का झांसा या आभास देने वाला झूठ गढ़ा जा सकता है। दूसरी ओर चैटबॉट हैं, जो कभी-कभी पूरे आत्मविश्वास से ऐसे तथ्य और संदर्भ रच देते हैं, जो हकीकत में होते ही नहीं हैं। डीपफेक और चैटबॉट का 'मतिभ्रम' सत्य पर हमला है। इनमें से एक से जान-बूझकर झूठ गढ़ा जा सकता है, दूसरे से मशीन के जरिए अनजाना असत्य पैदा किया जा सकता है। गांधी का सत्याग्रह यह सबक देता है कि सत्य की रक्षा केवल कानून से नहीं, नागरिक के आग्रह से होती है, यानी हर सूचना को परखने, स्रोत पूछने और झूठ को आगे नहीं बढ़ाने के आग्रह से। अहिंसा की कसौटी पर भी एआई के कई सवालों को परखा जा सकता है। युद्ध में स्वायत्त हथियार, जो संकेत या निर्णय के लिए इंसानी दखल का इंतजार भी न करें, गांधी-दर्शन के हिसाब से सबसे बड़ा नैतिक प्रश्न होते। पर हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती। किसी महिला की नकली और अश्लील छवि बनाना, ऑनलाइन उत्पीड़न या पक्षपाती एल्गोरिद्म से किसी को जरूरी कर्ज या नौकरी से वंचित करना भी हिंसा के ही रूप हैं, भले ही उसमें रक्त न बहे। और प्रकृति के प्रति हिंसा भी तब इसी श्रेणी में आती है, जब विशाल डेटा सेंटर भारी बिजली और पानी की खपत करें। वह भी तब, जब शहर, गांव-कस्बे पीने के पानी को तरस रहे हों। स्वराज गांधी के लिए सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था, बल्कि वह आत्म-नियंत्रण का उपाय भी था। आज की तकनीक का कारोबारी मॉडल अक्सर हमारे ध्यान पर कब्जा करने पर टिका है। इसमें अंतहीन स्क्रॉल, लगातार सूचनाएं और ऐसे एआई-सहायक (एजेंट) बनाने पर जोर है, जो सोचने की मेहनत से ही छुटकारा दिलाते हैं। विद्यार्थी अगर हर उत्तर मशीन से लें, तो अभ्यास की गति भले बढ़ जाए, लेकिन समझ (मेधा) का अंतत: पतन ही होगा।

मन-मस्तिष्क पर नियंत्रण हासिल करना एआई-युग का सबसे कठिन और जरूरी स्वराज है। राष्ट्र के स्तर पर स्वदेशी का अर्थ है भारतीय भाषाओं और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप एआई, न कि हर समाधान के लिए बाहरी निर्भरता। इसी तरह, गांधी का ट्रस्टीशिप (न्यासिता) संबंधी विचार कहता है कि धनी व्यक्ति अपनी संपत्ति का स्वामी नहीं, समाज की ओर से उसका ट्रस्टी (न्यासी) है। एआई के युग में सबसे बड़ी संपत्ति डेटा और कंप्यूटिंग की ताकत है, जो कुछ गिनी-चुनी कंपनियों और देशों के पास सिमटती जा रही है।

वजन करना है कम तो नाश्ते में खाएं ये डिश



वजन कम करने की कोशिश में अक्सर लोग नाश्ते को लेकर सबसे ज्यादा कंफ्यूज रहते हैं। कभी सिर्फ फल खा लेते हैं तो कभी चाय-बिस्कुट से काम चला लेते हैं। लेकिन ऐसा नाश्ता लंबे समय तक पेट भरा रखने के लिए पर्याप्त नहीं होता और कुछ देर बाद फिर भूख लग सकती है। अगर आप वजन को संभालने के साथ अपने नाश्ते में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो पनीर-एग ब्रेकफास्ट बाउल एक स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इसमें अंडे और पनीर से प्रोटीन मिलता है, जबकि सब्जियां इसमें फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व जोड़ती हैं। इस रेसिपी को बनाने में बहुत ज्यादा समय भी नहीं लगता। आप इसमें अपनी पसंद की सब्जियां जैसे शिमला मिर्च, टमाटर, प्याज और पालक शामिल कर सकते हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए काली मिर्च, जीरा और थोड़ी हरी मिर्च डालें। हालांकि, सिर्फ किसी एक डिश को खाने से वजन कम नहीं होता। वजन घटाने के लिए पूरे दिन की कुल कैलोरी, प्रोटीन, फाइबर, शारीरिक गतिविधि और नींद जैसे कई कारक मायने रखते हैं। इसलिए इस नाश्ते को संतुलित डाइट का हिस्सा बनाकर लेना ज्यादा बेहतर है।

सामग्री

2 अंडे, 50-75 ग्राम पनीर, आधी शिमला मिर्च,1 छोटा टमाटर, थोड़ा प्याज, मुट्ठीभर पालक, काली मिर्च, जीरा, थोड़ा नमक, 1 चम्मच तेल।

विधि

सबसे पहले पैन में थोड़ा तेल गर्म करके जीरा डालें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और पालक डालकर हल्का भून लें। इसके बाद पनीर को छोटे टुकड़ों में काटकर डालें और कुछ मिनट पकाएं। अब दो अंडे फोड़कर पैन में डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाते हुए पकाएं। ऊपर से काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डालें। इसे गर्मागर्म खाएं। चाहें तो साथ में बिना चीनी की चाय या सादा दही लिया जा सकता है। ये प्रोटीन युक्त भोजन पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद कर सकता है। पर्याप्त प्रोटीन लेना वजन घटाने के दौरान मांसपेशियों को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण है। लेकिन पनीर और अंडे की मात्रा अपनी कुल डाइट और जरूरत के हिसाब से रखें। अगर किसी को अंडे या डेयरी से एलर्जी है या कोई विशेष स्वास्थ्य समस्या है, तो डाइट में बदलाव से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

ओट्स से बनाएं कुरकुरी टिक्की

अगर आप डाइट के दौरान कुछ ऐसा खाना चाहते हैं जो स्वादिष्ट भी हो और जल्दी भी बन जाए, तो ओट्स टिक्की आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकती है। रोज-रोज ओट्स की खिचड़ी या पोहा खाकर बोर हो चुके हैं, तो सिर्फ 5 मुख्य सामग्रियों से बनने वाली यह कुरकुरी टिक्की जरूर ट्राई करें। इसे नाश्ते, शाम के स्नैक या हल्के खाने के तौर पर तैयार किया जा सकता है। इस हेल्दी स्नैक को बनाने के लिए आपको ओट्स, उबला हुआ आलू, गाजर, हरा धनिया और चाट मसाला चाहिए। स्वाद के लिए नमक और टिक्की सेंकने के लिए थोड़े तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। ओट्स में फाइबर होता है, जबकि गाजर और हरा धनिया रेसिपी को स्वाद और पोषण से भरने में मदद करते हैं। इसे डीप फ्राई करने की जरूरत नहीं है। आप इसे तवे पर कम तेल में सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंक सकते हैं। इसे हरी चटनी या दही के साथ सर्व करें और स्वादिष्ट हेल्दी स्नैक का मजा लें।

सामग्री

1 कप ओट्स, 1 मध्यम उबला हुआ आलू, 1 छोटी गाजर, कद्दूकस की हुई, 2 बड़े चम्मच बारीक कटा हरा धनिया,1 छोटा चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक और सेंकने के लिए थोड़ा तेल।

विधि

सबसे पहले ओट्स को हल्का सा भूनकर ठंडा कर लें और जरूरत हो तो उन्हें दरदरा पीस लें। अब एक बड़े बाउल में ओट्स, मैश किया हुआ उबला आलू, कद्दूकस की हुई गाजर, हरा धनिया और चाट मसाला डालें। अब इसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाकर नरम मिश्रण तैयार करें। अगर मिश्रण बहुत सूखा लगे तो थोड़ा पानी डाल सकते हैं। अब हाथों पर हल्का तेल लगाकर मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्की बना लें। एक नॉन-स्टिक या सामान्य तवे को गर्म करें और थोड़ा तेल लगाएं। टिक्कियों को मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें। गरमा-गरम ओट्स टिक्की को हरी चटनी या दही के साथ परोसें।



हंसना मना है

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो ट्रैफिक पुलिस- तुम्हें रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहां छुप कर बैठे थे।

कहानी | डर का सामना

हर किसी की जिंदगी में ऐसा पल जरूर आता है जब उसे किसी-न-किसी वजह से डर लगने लगता है। इस डर का सामना करने के लिए जानना जरूरी है स्वामी विवेकानंद का एक किस्सा। एक दिन की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

कहानी से सीख- कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सुबह के समय काम में तेजी रहेगी, दिन आगे बढ़ने पर धैर्य से निर्णय लें। नए ग्राहकों और व्यापारिक योजनाओं से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ 7:24 बजे के बाद चंद्रमा आपकी राशि में आने से आत्मविश्वास और कार्यक्षमता बढ़ेगी। नए ग्राहकों से जुड़ने और व्यापार विस्तार की योजना बनाने के लिए समय अनुकूल है।

मिथुन काम के सिलसिले में भागदौड़ रह सकती है, विदेशी या दूरस्थ संपर्कों से जुड़े सौदों में सावधानी बरतें। आंखों को आराम दें और स्क्रीन टाइम कम रखें।

कर्क वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत में संयम रखें और अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें। पुराने निवेश और व्यावसायिक योजनाओं की समीक्षा लाभकारी रहेगी।

सिंह मित्रों के सहयोग से नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापारिक नेटवर्क बढ़ाने और नए संपर्क बनाने के लिए दिन अच्छा है। आय के अतिरिक्त स्रोतों पर विचार कर सकते हैं।

कन्या कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है और नई जिम्मेदारी मिलेगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन बड़े निवेश से पहले जांच करें।

तुला कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और लक्ष्य पूरे हो सकते हैं। प्रशासनिक और सरकारी कामों में प्रगति के संकेत हैं। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखें।

वृश्चिक भाग्य का सहयोग मिलेगा और पुराने कामों में प्रगति हो सकती है। लंबी दूरी के व्यापारिक संपर्क लाभ दे सकते हैं। सुबह की सैर और प्राणायाम लाभकारी रहेंगे।

धनु कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें और गोपनीय योजनाओं को साझा न करें। शोध, तकनीक और सलाहकार सेवाओं में अवसर मिल सकते हैं। परिजनों से बातचीत में विनम्रता बनाए रखें।

मकर साझेदारी के प्रोजेक्ट्स में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध और व्यापार विस्तार की योजनाओं में प्रगति हो सकती है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

कुम्भ मेहनत और अनुशासन से कार्यक्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे। सेवा क्षेत्र और तकनीकी उपकरणों के व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। पर्याप्त पानी पिएं।

मीन रचनात्मक विचारों से वरिष्ठों को प्रभावित कर सकते हैं। कला, शिक्षा और परामर्श से जुड़े कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। घर का माहौल अच्छा रहेगा।

अजय देवगन और भूषण कुमार की फिर जमेगी जोड़ी



बॉलीवुड में कुछ जोड़ियां ऐसी हैं, जिनकी साथ में की गई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। अभिनेता अजय देवगन और निर्माता भूषण कुमार की जोड़ी भी इन्हीं में से एक है। दोनों अब तक तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर, रेड 2, दृश्यम 2, धमाल 4 और दे दे प्यार दे जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब खबर है कि यह जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने की तैयारी में है। इस बार दोनों की नजर एक बड़े बजट की स्पाई थ्रिलर पर है, जिसकी कहानी भारतीय जासूसी की दुनिया पर आधारित होगी।

कुछ रिपोर्ट के मुताबिक, भूषण कुमार एक नई और अब तक अनदेखी कहानी के साथ स्पाई थ्रिलर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए वह अजय देवगन को फिल्म में शामिल करना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर कुछ मुलाकातें भी हो चुकी हैं और अजय को भी इसकी कहानी पसंद आई है। फिल्म को धुरंधर की तरह ही रोमांचक और दमदार बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक फिल्म के निर्देशक और बाकी कलाकारों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर अजय देवगन इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरते हैं तो इसकी शूटिंग 2027 में शुरू हो सकती है। वहीं, फिल्म को 2028 के मध्य तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है। माना जा रहा है कि यह अजय देवगन के करियर की बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती है। काम की बात करें, तो अजय देवगन की बीते महीने ही फिल्म दृश्यम 3 रिलीज हुई है, जिसे लेकर वह चर्चा में हैं। यह उनकी लोकप्रिय थ्रिलर फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी है और इसने उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है। इसके अलावा अजय के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह रोहित शेट्टी की फिल्म गोलमाल 5 में नजर आएंगे। इसके साथ ही वह जगन शक्ति के निर्देशन में बन रही एक्शन-एडवेंचर फिल्म रेंजर का भी हिस्सा हैं। लव रंजन, अंकुर गर्ग, अजय देवगन और आनंद पंडित इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें संजय दत्त विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं, नीरज यादव के निर्देशन में बन रही फिल्म चौहान भी उनकी आने वाली फिल्मों में शामिल है।

सिद्धांत चतुर्वेदी बनेंगे धनबाद के कोल माफिया

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज काला से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक से होगी। कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है। विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म बोलो बोलो बोलो का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। बोलो बोलो बोलो की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

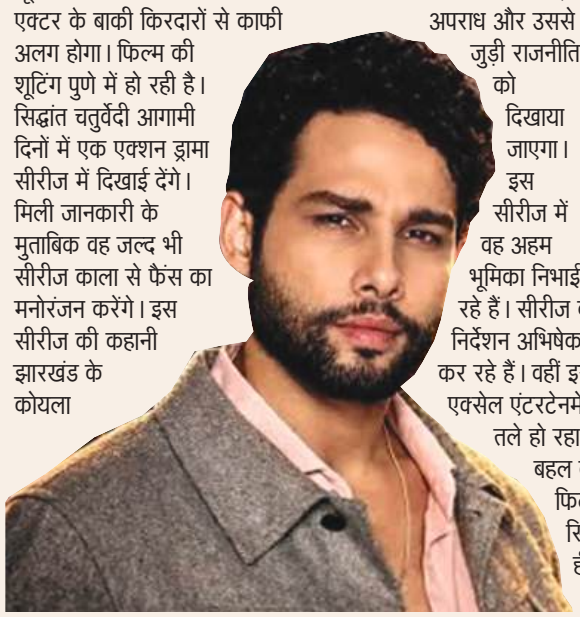

इस बायोपिक में नजर आएंगे एक्टर

इस सब के अलावा अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी दिग्गज फिल्मकार वी. शांताराम की जीवनी पर बन रही फिल्म में भी नजर आएंगे।। इसमें वह वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट या बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई।

जल्द ही डिजिटल प्लेटफार्म पर दस्तक देगी दृश्यम 3

क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम के फैंस के लिए अच्छी खबर है। विजय सालगांवकर एक बार फिर अपने परिवार को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश करते नजर आने वाले हैं। दरअसल, अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन अब ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। सिनेमाघरों में रिलीज होने के करीब दो महीने बाद फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ कहानी में वर्षों से चले आ रहे समीर की मौत के रहस्य का भी पर्दाफाश होने वाला है। ऐसे में जिन लोगों ने यह फिल्म थिएटर में नहीं देखी है, वे अब घर बैठे इसका लुत्फ उठा सकेंगे। अजय देवगन की फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन 27 नवंबर, 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म के डिजिटल प्रीमियर की जानकारी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के आधिकारिक कैटलॉग पर भी अपडेट कर दी गई है। फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ऐसे में थिएटर में फिल्म देखने से चूक गए दर्शक शुक्रवार से इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे।

'किंग' में शाहरुख और दीपिका की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' को लेकर ऑडियंस काफी एक्साइटेड है। फिल्म के पोस्टर से लेकर इसके पहले गाने 'तू मिल जाए' तक, हर अपडेट सोशल मीडिया पर चर्चा में है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इससे पहले दोनों की जोड़ी 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'जवान' और 'पठान' में धमाल मचा चुकी है। इसके अलावा 'किंग' में और भी कई बातें हैं, जो इसे खास बनाती हैं। चलिए जानते हैं, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म की 5 खास बातें, जिसके चलते 'किंग' को साल की बड़ी रिलीज माना जा रहा है।

शाहरुख खान ने 2023 में बैक टू बैक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी थीं। इसमें पठान, जवान और डंकी शामिल है। अब तीन साल बाद 2026 में उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर में रिलीज होने वाली है, उनकी वापसी को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। अपनी शानदारी स्क्रीन प्रेजेंस से वे हर लुक में जान डाल देते हैं। फिल्म की पहली झलक से लेकर इसके गानों और निर्देशन तक सब कुछ शानदार है। जब शाहरुख खान और सिद्धार्थ आनंद ने पिछली बार साथ काम किया था तो 'पठान' बनाई थी, जिसे फैंस ने खूब प्यार दिया था। सिद्धार्थ आनंद ऐसी मसालेदार एक्शन फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, जो न सिर्फ ऑडियंस को एनटरटेन करती है, बल्कि शानदार विजुअल्स, फास्ट स्टोरी और जबरदस्त एक्शन से अंत तक बांध कर रखता है।





आश्रम 4 : शुरू हुआ बाबा निराला की वापसी का काउंटडाउन

बॉबी देओल की चर्चित वेब सीरीज आश्रम के अगले सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अच्छी खबर है। सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

प्रकाश झा प्रोडक्शंस और अभिनेता बॉबी देओल ने इंस्टाग्राम पर एक साझा पोस्ट के जरिए एक बदनाम... आश्रम सीजन 4 की शूटिंग पूरी होने का एलान किया। मेकर्स ने इस मौके पर सेट की एक बिहाइंड द सीन तस्वीर भी शेयर की, जिसमें निर्देशक प्रकाश झा, बॉबी देओल और सीरीज की टीम के अन्य सदस्य नजर आ रहे हैं। तस्वीर पर इट्स अ रैप! लिखा हुआ है।

पोस्ट के साथ मेकर्स ने लिखा, और इसी के साथ आश्रम सीजन 4 की शूटिंग पूरी हुई। यह सफर जुनून, टीमवर्क और कई यादगार पलों से भरा रहा। हर फ्रेम के पीछे मेहनत करने वाली शानदार टीम के नाम। इस पोस्ट में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर बाय प्राइम वीडियो के साथ शो के कई कलाकारों और क्रू मेंबर्स को भी टैग किया गया है। प्रकाश झा के निर्देशन में बनी आश्रम में बॉबी देओल बाबा निराला के किरदार में नजर आते हैं। सीरीज में वह एक ऐसे स्वयंभू बाबा की भूमिका निभा रहे हैं, जो धर्म और आस्था के नाम पर लोगों का भरोसा जीतकर अपना बड़ा साम्राज्य खड़ा करता है। हालांकि, उसके इस साम्राज्य के पीछे राजनीति, अपराध और अंधविश्वास का गहरा खेल छिपा है। सीरीज की कहानी बाबा निराला के काले कारनामों और उसके प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज के चौथे सीजन में चंदन रॉय सान्याल, अदिति पोहनकर, त्रिधा चौधरी, परिणीता सेठ, सचिन श्रॉफ, नीतू चंद्रा श्रीवास्तव, अक्षय ओबेरॉय, चैतन्य चौधरी, पंखुड़ी गिडवानी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। शूटिंग पूरी होने के बाद अब दर्शकों को इसके रिलीज होने का इंतजार है। फिलहाल मेकर्स ने एक बदनाम... आश्रम सीजन 4 की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है। सीरीज एमएक्स प्लेयर बाय प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।



सीजेपी नेता को दिल्ली हवाई अड्डे पर रोकने पर बवाल

कायर पीएम और सरकार ने मुझे रोका : सौरव दास

» सीजेपी ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाज

» सीजेपी नेता भड़के, आव्रजन जांच के दौरान हुई कार्रवाई ऑक्सफोर्ड में देना था व्याख्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने आरोप लगाया है कि उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर लंदन की उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया। दास को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय सहित ब्रिटेन के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कॉकरोच आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि आव्रजन प्रणाली में उनके पासपोर्ट को चिह्नित पाया गया। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के सह-संयोजक सौरव दास ने आरोप लगाया है कि उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया, जहां ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में 'कॉकरोच आंदोलन' पर व्याख्यान देने के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया था।

दास ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें लंदन जाने वाली देर रात एक बजे की उड़ान में सवार होना था लेकिन इससे पहले ही उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन जांच के दौरान रोक दिया गया। दास ने कहा, इस कायर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी (के नेतृत्व वाली) सरकार ने मुझे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए लंदन जाने से दिल्ली हवाई अड्डे पर रोक दिया।'' उन्होंने कहा, ''इस कायर सरकार ने मुझे लंदन जाने वाली उड़ान में सवार नहीं होने दिया। कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे किसी व्यक्ति को दास को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से निमंत्रण मिलने पर जलन है। मुझे ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, एलएसई (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स) और एडिनबरा जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में कॉकरोच आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।' उन्होंने कहा, 'भारतीय छात्रों ने इन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जी-जान से मेहनत की लेकिन बौद्धिक विचार-विमर्श विरोधी यह सरकार मेरे इन प्रतिष्ठित संस्थानों में जाने से डर गई। दास ने कहा कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ ने उन्हें एक परिचर्चा में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा, इसीलिए मैं लंदन जा रहा था लेकिन जैसे ही मैं आव्रजन जांच के लिए पहुंचा, मुझे पता चला कि मेरे पासपोर्ट को आव्रजन प्रणाली में चिह्नित किया गया है।' दास ने कहा, सरकार इस बात से इतनी क्यों डरी हुई है कि एक शिक्षित युवा पढ़े-लिखे लोगों के बीच जाकर बौद्धिक चर्चा करे? उन्होंने कहा, 'काश मैं नीरव मोदी होता। काश मैं विजय माल्या होता। काश मैंने बैंकों से हजारों करोड़ रुपये लूटे होते...।



सत्ता में बैठा कोई अनपढ़-गंवार, ईर्ष्या कर रहा है : अभिजीत दीपके



इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे किसी व्यक्ति को दास को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से निमंत्रण मिलने पर ईर्ष्या हो रही है। दीपके ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सौरव को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक सम्मेलन में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता में बैठा कोई अनपढ़-गंवार, जिसे खुद दुनिया भर में घूमना पसंद है, सौरव को ऑक्सफोर्ड से मिले निमंत्रण से ईर्ष्या कर रहा है। कॉजपा ने सरकार पर शिक्षित लोगों की आवाज दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के मकान में चोरी का प्रयास

» मेन गेट का ताला टूटा मिला, एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर के विरामखंड इलाके में स्थित पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के मकान में अज्ञात लोगों ने चोरी का प्रयास किया। केयर टेकर शिव कुमार ने रविवार को आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। केयर टेकर शिव ने बताया कि वह पूर्व आईपीएस के मकान में पत्नी विनीता के साथ रहते हैं। पूर्व आईपीएस और उनकी पत्नी नूतन वर्तमान में शहर से बाहर हैं। शिव का कहना है कि 20 नवंबर को वह पत्नी के साथ पैतृक गांव गए थे। मकान में ताला लगा हुआ था। रविवार को शाम करीब 6:30 बजे लौटने पर मेन गेट का ताला टूटा मिला।



मकान में दाखिल होने पर कोई भी सामान गायब नहीं मिला। हालांकि, छत का दरवाजा खुला हुआ था। मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी छेड़छाड़ की गई थी। शिव के अनुसार आरोपी वारदात करते नहीं दिखे इसलिए उन्होंने सीसीटीवी कैमरों से छेड़खानी की है। केयरटेकर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर टीम के साथ पहुंचे इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद्र तिवारी ने जांच पड़ताल की। एसीपी गोमतीनगर रत्नेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की तफ्तीश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही हैं। घटना की छानबीन की जा रही है।

उधर गोमतीनगर, कृष्णानगर, तेलीबाग और बीबीडी इलाकों में चोरों ने चार घरों को निशाना बनाया। पीड़ितों ने संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। गोमतीनगर के विरामखंड दो निवासी नारायण दत्त पांडेय ने बताया कि उनकी पत्नी एसजीपीजीआई संस्थान में भर्ती थीं। 19 नवंबर को वह घर बंद कर पत्नी के पास गए थे। रात लौटे तो कमरों के ताले और अलमारियों के लॉकर टूटे मिले।

भारत की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को लगा झटका

» पहला टेस्ट ड्रा होने से डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर खिसका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को पांच दिनों के रोमांचक मुकाबले के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस नतीजे के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारत चौथे स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत घटकर 50.00 हो गया है। इससे फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और झटका लगा है। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड शीर्ष दो से बाहर होकर तीसरे स्थान पर खिसक गया है। उसका अंक प्रतिशत घटकर 66.67 हो गया है। दक्षिण अफ्रीका आठ मैचों में छह जीत और दो हार के साथ 72 अंक तथा 75.00 अंक प्रतिशत लेकर पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने 13 मैचों में नौ जीत और चार हार दर्ज की हैं।

उसके खाते में 108 अंक हैं और अंक प्रतिशत 69.23 है। न्यूजीलैंड सात मैचों में चार जीत, एक हार और दो ड्रॉ के साथ 56 अंक तथा 66.67 अंक प्रतिशत लेकर तीसरे स्थान पर है। भारत ने 12 मैचों में पांच जीत, चार हार और तीन ड्रॉ खेले हैं। उसके कुल 72 अंक और 50.00 अंक प्रतिशत हैं। बांग्लादेश नौ मैचों में तीन जीत, चार हार और दो ड्रॉ के साथ 44 अंक तथा 40.74 अंक प्रतिशत लेकर पांचवें स्थान पर है। इंग्लैंड 16 मैचों में सात जीत, आठ हार और एक ड्रॉ के साथ 74 अंक तथा 38.54 अंक प्रतिशत लेकर छठे स्थान पर है। उसके कुल अंकों में 14 अंक की कटौती भी शामिल है। वेस्टइंडीज 14 मैचों में तीन जीत, आठ हार और तीन ड्रॉ के साथ 46 अंक तथा 27.38 अंक प्रतिशत लेकर सातवें स्थान पर है। उसके दो अंक काटे गए हैं।



न्यूजीलैंड को लगा झटका, ब्लेयर टिकनर दूसरे टेस्ट से बाहर

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्हें ट्रेनिंग सेशन के दौरान दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को उनके बाहर होने की जानकारी देते हुए मैट फिशर को टीम में शामिल करने का एलान किया। ब्लेयर टिकनर को इसी सप्ताह वेलिंगटन में अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद उनकी फिटनेस का आकलन किया गया और उन्हें भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अनुपलब्ध घोषित कर दिया गया। टिकनर की चोट कितनी गंभीर है और उन्हें मैदान पर वापसी करने में कितना समय लगेगा, इसका पता लगाने के लिए मंगलवार को क्राइस्टचर्च में उनकी आगे की जांच की जाएगी। टिकनर की जगह मैट फिशर को न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

मनीष तिवारी ने शीतकालीन सत्र में देरी पर उठाए सवाल

» किरेन रिजिजू से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से पूछा है कि आखिर संसद का शीतकालीन सत्र क्यों नहीं बुलाया जा रहा है? तिवारी ने कहा कि देश जानना चाहता है कि संसद का अगला सत्र कब आयोजित होगा. संसद के सत्र में हो रही देरी को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। तिवारी के इस सवाल के जरिए एक बार फिर संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखों को लेकर सरकार से जवाब मांगा गया है।

विपक्ष का कहना है कि संसद का सत्र समय पर बुलाया जाना चाहिए, ताकि देश से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो सके। यह पहली बार नहीं है जब मनीष तिवारी ने संसद के सत्र को लेकर सवाल उठाए हैं. इससे पहले भी उन्होंने संसद के सत्रों में हो रही देरी पर चिंता जताई थी. उन्होंने कहा था कि मानसून सत्र स्थगित हुए 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मानसून सत्र को औपचारिक रूप से प्रोरोग यानी सत्रावसान नहीं किया गया है।



सीएम ने कृष्णा जल बंटवारे पर बीआरएस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने अपने कार्यकाल में कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत कर दिए। बीआरएस के इस आरोप पर पलटवार करते हुए कि कांग्रेस सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है, रेड्डी ने कहा कि बीआरएस ''झूठ'' फैलाकर सुनियोजित तरीके से सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राव तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमत हुए थे।



रेड्डी ने कहा तुम्मिडीहेट्टी (परियोजना) से हटने और तेलंगाना के लिए 299 टीएमसी पानी तथा आंध्र प्रदेश के लिए 512 टीएमसी पानी पर सहमति जताने के केसीआर के फैसलों ने तेलंगाना के लिए विनाश की घंटी बजा दी। इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के 'मृत्यु वारंट' पर दस्तखत कर दिया।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''इसलिए पिछले चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है। उन्हें पूरी सजा तभी मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।'' बीआरएस के इस आरोप पर कि कांग्रेस सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, जिससे तेलंगाना के जल अधिकार प्रभावित हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्र मश: तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।

» केसीआर ने तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर किया दस्तखत : रेवंत रेड्डी

हत्या करवाने के लिए जानबूझकर हटाई गई थी राजीव की सुरक्षा : सोनिया गांधी

अपनापन की तलाश में मां का सफर बहुत भयानक त्रासदियों से भरा रहा है : राहुल गांधी

» बहन प्रियंका-मां सोनिया से चर्चा का वीडियो नेता प्रतिपक्ष ने किया शेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सुरक्षा हटाए जाने को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जानबूझकर किया गया था, ताकि उनकी हत्या की जा सके। अपनी किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बारे में अपने बच्चों, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने उन आशंकाओं को याद किया जो उन्होंने राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर जताई थीं, और उन घटनाओं का जिक्र किया जिन्होंने उनकी चिंताओं को और गहरा कर दिया था।

सोशल साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए सोनिया गांधी ने एक वीडियो में बताया कि उन्होंने अपनी यादों के आधार पर यह किताब लिखी है, जबकि राहुल और प्रियंका ने भी अपनी यादें इसमें जोड़ीं, जिससे इन कहानियों में एक नई जान आ गई। वहीं राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपनी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका से बातचीत करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में तीनों चर्चा करते नजर आ रहे हैं। बता दें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव हाल ही में लॉन्च हुई है। इस किताब में सोनिया गांधी ने अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर राजनीति तक के बारे में कई बातें लिखी हैं।

सोनिया गांधी ने भी किया वीडियो शेयर



राहुल गांधी के वीडियो को शेयर करते हुए सोनिया गांधी ने लिखा, मैंने बिलॉन्गिंग अपनी यादों के आधार पर लिखी है. राहुल और प्रियंका ने इसमें अपनी यादें जोड़ीं, जिससे इन कहानियों में एक नई जान आ गई। मेरे बच्चे मेरी सबसे बड़ी खुशी और मेरी ताकत हैं। वे ऐसे दो लोग हैं जो मेरे धैर्य की परीक्षा किसी और से कहीं ज्यादा लेते हैं।

एक बच्चा बोला तेरा चाचा चोर है...मैंने उसे एक थप्पड़ जड़ा : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में वे तीनों हाल ही में आई सोनिया गांधी की नई किताब के अलग-अलग चैप्टर पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान सोनिया गांधी की किताब की कवर इमेज, इमरजेंसी के बाद के हालात और कई तरह के पुराने किस्सों पर चर्चा की गई है। इमरजेंसी के बाद के दौर का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी कहती हैं कि जब दादी (इंदिरा गांधी) चुनाव हार गईं, तो हम एक दूसरे घर में शिफ्ट हो गए थे। मुझे याद है कि उस वक्त माहौल में काफी तनाव था। प्रियंका उन दिनों (स्कूल के) को याद करते हुए कहती हैं, मुझे याद है



कि एक छोटा लड़का मेरे पास आया और बोला- तेरा चाचा जेल में है, तेरा चाचा चोर है। मैंने उसे एक थप्पड़ जड़ दिया और हम वहां से चल दिए. वह रोने लगा। फिर हम टीचर के पास गए और मुझे डांट पड़ी।

बिहार दौरे और खुली जीप में पथराव का किया जिक्र



बातचीत के दौरान सोनिया गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में राजीव गांधी के दौरों का याद किया, जब वे एक खुली जीप में यात्रा करते थे और उन्हें पत्थरबाजी और विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ता था.उन्होंने कहा,%यह बहुत ही भयानक दौरा था। उन्होंने सुरक्षा इंतजामों को लेकर अपनी चिंताओं को याद किया, खासकर उन राज्यों के दौरों के दौरान जहां विपक्षी दलों की सरकारें थीं.उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे, उन्होंने उनकी सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। सोनिया ने कहा कि बिहार का दौरा उनकी चिंताओं को बढ़ाने वाली आखिरी घटना थी, हालांकि उन्होंने इस मुद्दे को पहले भी उठाया था। इसके बाद उन्होंने राजीव गांधी की सुरक्षा हटाए जाने को लेकर एक गंभीर आरोप लगाया। बातचीत के दौरान सोनिया गांधी ने आरोप लगाया, पापा की सुरक्षा इसलिए हटाई गई ताकि उनकी हत्या हो सके। पापा की सुरक्षा का हटाया जाना कोई इत्तेफाक नहीं था। यह जानबूझकर किया गया था ताकि उनकी हत्या हो सके।

मां ने मुश्किलों का सामना पूरी गरिमा और हिम्मत के साथ किया



राहुल गांधी ने आगे लिखा, प्रियंका और मैं, अपनी मां के साथ बैठकर इन सब पर बात की. उन यादों में वापस जाने से वह खुशी, वह हंसी और उस समय महसूस किया गया दर्द - सब कुछ फिर से ताजा हो गया. अपनापन की तलाश में मां का सफर बहुत सारे प्यार और भयानक त्रासदियों से भरा रहा है और उन्होंने इन सबका सामना पूरी गरिमा और हिम्मत के साथ किया है। इस किताब में अभी भी कई चीजें उन्होंने नहीं लिखी हैं जिनके बारे में राहुल और प्रियंका ने अपनी मां के साथ बैठकर बात की। इस चर्चा का वीडियो राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। राहुल गांधी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, प्रस्ताव योजना के अनुसार नहीं हुआ, और मेरा सातवां जन्मदिन भी वैसा नहीं रहा जैसा सोचा था,. 2004 के फैसले से हममें से कुछ लोगों को राहत मिली, तो कुछ को खुशी, पापा की सुरक्षा वापस लेने के पीछे एक खास मकसद था और 500 से ज्यादा पन्नों के बावजूद, मां ने अपनी किताब में कुछ बातें शामिल नहीं की हैं।

हाईकोर्ट से विजय सरकार को फटकार



» टीवीके विधायक के कलेक्टर को अश्लील मैसेज भेजने पर कोर्ट नाराज पूछा-आपने क्या किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में जिला कलेक्टर से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मामला सत्तारूढ़ टीवीके विधायक सी अरुल विग्नेश पर पर कल्लाकुरिची की जिला कलेक्टर जेई पद्मजा को अश्लील संदेश भेजने और उनके साथ अनुचित व्यवहार करने के आरोपों से जुड़ा है।

हाईकोर्ट ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या प्रशासन किसी को बचाने की कोशिश कर रहा है? अदालत ने यह भी जानना चाहा कि कई महीने पहले शिकायत की जानकारी मिलने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने सरकार की कथित निष्क्रियता पर नाराजगी जताई। उन्होंने राज्य सरकार को इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश भी दिया।

सोनिया गांधी को कानूनी नोटिस पर भड़की कांग्रेस

» सावरकर का कोई इतिहास नहीं : उदितराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव को लेकर विवाद जारी है। उनकी किताब में वीर सावरकर के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस को विनायक दामोदर सावरकर के परपोते सात्यकी सावरकर ने भेजा है। इस पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि असल में सावरकर का कोई इतिहास है ही नहीं ह, असली इतिहास तो देश का बंटवारा, नफरत, कायरता, दया याचिकाएं दाखिल करना और अंग्रेजों के साथ मिलकर काम करने का है. उन्हें नोटिस भेजने दीजिए कोई बात नहीं. हम उनकी चुनौती स्वीकार करेंगे।



नोटिस में आरोप लगाया गया है कि किताब के दो हिस्सों में ऐसे तथ्य दिए गए हैं, जो गलत हैं. ऐतिहासिक रूप से गुमराह करने वाले हैं, जिससे सावरकर की छवि को नुकसान पहुंचता है. सत्याकी सावरकर ने 15 दिनों के भीतर बिना शर्त माफी मांगने, सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देने को कहा। यह कानूनी नोटिस वकील संग्राम कोल्हटकर की ओर से सत्याकी सावरकर के लिए भेजा गया है. सत्याकी सावरकर, विनायक दामोदर सावरकर के प्रपौत्र हैं. कोल्हटकर के अनुसार, सत्याकी ने सोनिया गांधी की किताब के पेज 201 और 443 पर सावरकर के बारे में दी गई जानकारी पर आपत्ति जताई है. उनका कहना है कि ये बातें उनके पूर्वज की मानहानि करने वाली हैं. वकील ने बताया कि नोटिस में सोनिया गांधी से कहा गया है कि वे किताब में किए गए दावों के समर्थन में तथ्य या सबूत पेश करें।

सोनिया गांधी की किताब के पेज 201 पर लिखी बात पर आपत्ति

पहली आपत्ति पेज 201 पर दिए गए एक हिस्से को लेकर है, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में सावरकर का जिक्र है और उन पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया गया है. कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानी जब ब्रिटिश शासकों के हाथों हमले झेल रहे थे और जेलों में बंद थे, तब आरएसएस के वरिष्ठ विचारक विनायक दामोदर सावरकर मर्सी पिटीशन लिख रहे थे और उनके सदस्य मुखबिर के तौर पर ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर रहे थे।

आंध्रप्रदेश में खड़ी लॉरी से टकराई कार पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में मंगलवार को टोल गेट के पास खड़ी एक लॉरी में कार की टक्कर से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई जब एक एसयूवी सड़क के किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई।

विजयनगरम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ए आर दामोदर ने संवाददाताओं से कहा, आज सुबह भोगापुरम टोल गेट के पास एसयूवी के खड़े ट्रक से टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई। कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांचवां व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि संभवत: थकान के कारण कार चालक को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई होगी। हालांकि, दुर्घटना का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस दुर्घटना से संबंधित परिस्थितियों की जांच कर रही है, जिसमें लॉरी की पार्किंग की स्थिति और चालक की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही की आशंका से संबंधित विषयों की पड़ताल की जाएगी।



महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा